



eCard

Sorry!

हज़रत अबू हुरैरा رضي الله عنه कहते हैं कि उन्होंने रसूल अल्लाह ﷺ को ये दुआ करते हुए सुना:

اللَّهُمَّ فَإِيْمَامُؤْمِنٍ سَبَبْتُهُ فَاجْعَلْ

ذَلِكَ لَهُ قُرْبَةً إِلَيْكَ يَوْمَ الْقِيَامَةِ

صحیح بخاری

ऐ अल्लाह! जिस मोमिन को मैंने बुरा भला कहा हो तो क़यामत के दिन उस बुरा भला कहने को उसके लिए अपनी कुर्बत का ज़रिया बनादे.

Narrated Abu> Hurairahؓ that he heard the Prophetﷺ saying,
“O Allah! If I should ever abuse a believer, please let that be a means of bringing him near to You on the Day of Resurrection.”

وَلِيَعْفُوا وَلِيَصْفَحُوا

أَلَا تَحِبُّونَ أَنْ يَغْفِرَ اللَّهُ لَكُمْ

النور: 22

और चाहिए कि वो माफ़ कर दें और दरगज़र करें, क्या तुम पसंद नहीं करते कि अल्लाह ताला तुम्हें बख़्श दे?

"and let them pardon and overlook. Would you not like that Allah should forgive you?"



AlHuda Welfare Trust India

Post Box Number 444, Basavanagudi Bangalore 560004 ,India

[+918040924255](tel:+918040924255) | [+91-9535612224](tel:+91-9535612224)

alhuda.india@gmail.com | www.farhathashmi.com

